II BCA

आज का समाज और नैतिकता

परिवार व समाज के अनुरूप ही एक व्यक्ति में सामाजिक गुणों तथा विशेषताओं का विकास होता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य अपने अस्तित्व व विकास के लिए समाज पर जितना निर्भर है उतना और कोई प्राणी नहीं है। समाज व व्यक्ति एक दूसरे के पूरक होते हैं। एक के बिना दूसरे की कल्पना नहीं कर सकते। परिवार समाज का ही अंग होता है। जहाँ उसे सबसे पहले शिक्षा मिलती है। बच्चा जब पैदा होता है। उस समय उसका मस्तिष्क शून्य होता है। परिवार व समाज से उसे जैसे संस्कारों की शिक्षा मिलेगी उसी राह पर वह आगे बढ़ता है।

घर में बच्चे को संस्कारित करने का कार्य में घर के बुजुर्गों का माता-पिता का बहुत बड़ा हाथ होता है। किन्तु आज वे सभी मूल्य हमारे जीवन से बहुत दूर हो गये हैं। आज हमारे समाज में नैतिक मूल्यों का पतन होता जा रहा है। लोग स्टेटस व धन के पीछे इस तरह से दौड़ रहे हैं कि उनके पास नयी पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के लिए समय नहीं है।

प्राचीनकाल में पाठशालाओं में धार्मिक और नैतिक शिक्षा पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग थे। नैतिक मूल्यों के अनुरूप आचरण ही किसी व्यक्ति को चरित्रवान बनाता है।

आज का समाज मनुष्य को अहंकारी बनाता जा रहा है। लोगों को केवल अपने से मतलब रह गया है।

ऐसे में नैतिक मूल्य ही मनुष्य के आधार स्तम्भ हैं। जो मानवता को जीवित रखते हैं। इनका व्यक्ति के जीवन

Scanned by CamScanner

में बहुत महत्व है। जब बच्चा सत्य, ईमानदारी अहिंसा, पालन आदि को समझ जाता है तथा दैनिक जीवन में उनका महत्व भी जानता है तो वह नैतिक गुणों का सम्मान करता है।

प्रत्येक व्यक्ति को एक अच्छा समाज अपने आने वाली पीढ़ी के लिए तैयार करना चाहिए।

———— × ————

Scanned by CamScanner

II BCA

Uma Chaudhary chandra's

आधुनिक जनपरिवहन

परिवहन उस विधि या व्यवस्था को कहते हैं जो की व्यक्ति, वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाते हैं।

आज की बढ़ती जनसंख्या तथा उससे भी अधिक तेजी से बढ़ते हुए वाहनों के कारण महानगर एवं शहरों की सड़कों का बुरा हाल है। वाहनों से निकलने वाले धुएँ ने भी वातावरण को अत्यधिक प्रदूषित किया है

आज प्रायः सभी महानगरों में मेट्रो चलने लगी हैं। इसने जनसाधारण को काफी सुविधाएँ उपलब्ध करायी हैं। महानगरों की सबसे बड़ी समस्या है - ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाएँ। इन समस्याओं के समाधान के लिए मेट्रो रेल का अविष्कार हुआ। मेट्रो रेल यातायात के साधनों मे आज सर्वोच्च स्थान पर है।

मेट्रो रेल आधुनिक जनपरिवहन प्रणाली है। इसकी व्यवस्था अत्याधुनिक तकनीक से संचालित होती है। इसके कोच वातानुकूलित हैं। टिकट प्रणाली भी स्वचालित है। मेट्रो लाइन को बस रूट के सामान्तर ही बनाया गया है। जिससे यात्रियों को मेट्रो से उतरने के बाद कोई दूसरा साधन प्राप्त करने में कठिनाई न हो।

मेट्रो रेल के दरवाजे स्वचालित हैं। हर आने वाले स्टेशन की जानकारी दी जाती है। वातानुकूलित डिब्बों में धूल, मिट्टी से बचकर लोग सुरक्षित यात्रा कर रहे हैं। ट्रैफिक जाम की भी परेशानी नहीं है। यात्रा में लगने का समय भी कम हो गया है। किराया भी कम है। हर सूचना स्क्रीन पर दिखायी देती है। मेट्रो महानगरों के लिए एक नायाब तोहफा है। यह जीवन को काफी हद तक सहज कर देगी।

---x---